हरिभूमि

सागर-चम्बल भूमि फ्रंट पेज

भोपाल, मंगलवार 18 अगस्त 2026

सागर | खुरई | बांदरी | जरुआखेड़ा | बीना | बंडा | राहतगढ़

06 शिकायतों के बाद हुए प्रशासनिक निरीक्षण को...



09 ठाट-बाट से निकाली सोनेश्वर महादेव की...



पढ़ाई से ज्यादा आयोजनों में 'अग्रणी' होता कॉलेज! छात्रों के समय और भविष्य पर सवाल

अग्रणी कॉलेज में लगातार हो रहे कार्यक्रमों की लंबी फेहरिस्त व्याख्यान और संगोष्ठियों के बीच पढ़ाई के लिए कितना समय?

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय (अग्रणी कॉलेज) सागर पढ़ाई के मामले में कितना अग्रणी है, यह तो कॉलेज के परीक्षा परिणाम और शैक्षणिक गतिविधियां ही बता सकती हैं, लेकिन बीते कुछ महीनों में महाविद्यालय जिस तरह लगातार आयोजनों का केंद्र बना हुआ है, उससे यह जरूर कहा जा सकता है कि इवेंट मैनेजमेंट के मामले में कॉलेज ने अपनी अलग पहचान बना ली है। प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता के कार्यभार संभालने के बाद महाविद्यालय में लगातार कार्यक्रम, संगोष्ठियां, प्रशिक्षण, सम्मान समारोह और जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

कार्यक्रमों की यह अतिसक्रियता देखने में तो अच्छी लग सकती है, लेकिन इसके पीछे के कारण और उद्देश्य यह सवाल खड़ा करते हैं कि महाविद्यालय में भविष्य की उम्मीदें लेकर पढ़ने आए विद्यार्थियों के नियमित पाठ्यक्रम पूरा पढ़ाया जा रहा है या नहीं। विद्यार्थियों को कालेज प्रबंधन अपनी निजी इमेज बिल्डिंग के लिए आडियेंस के रूप में इस्तेमाल करके अध्ययन के लिए आरक्षित उनके समय का दुरुपयोग तो नहीं कर रहा।

शिक्षकों को भी कार्यक्रमों में इतना झोंका जा रहा है कि वे विद्यार्थियों को पढ़ाने और निर्धारित पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए समय ही नहीं निकाल पा रहे। उच्च शिक्षा संस्थान का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देना है। ऐसे में यदि आए दिन होने वाले कार्यक्रमों में विद्यार्थियों की अनिवार्य या बड़ी संख्या में सहभागिता होती है और घंटों व्याख्यान चलते हैं, तो नियमित कक्षाओं और स्वाध्याय के लिए बचने वाला समय निश्चित रूप से चर्चा का विषय बनता है।

एक ही तरह के आयोजन, घंटों के व्याख्यान

इन आयोजनों की विषयवस्तु अलग-अलग है, लेकिन एक बात कई कार्यक्रमों में समान नजर आती है- बड़ी संख्या में विद्यार्थियों को एकत्र करना और विशेषज्ञों के लंबे व्याख्यान। राष्ट्रीय संगोष्ठियों से लेकर जागरूकता कार्यक्रमों तक विद्यार्थियों को घंटों कार्यक्रम स्थल पर रहना पड़ता है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि क्या इन आयोजनों को इस तरह व्यवस्थित नहीं किया जा सकता कि विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई प्रभावित न हो। विशेषज्ञों को बुलाकर व्याख्यान कराना, विद्यार्थियों को नई जानकारी देना और कौशल विकास के अवसर उपलब्ध कराना निश्चित तौर पर कॉलेज की सकारात्मक पहल हो सकती है, लेकिन इसकी सफलता तभी मानी जाएगी जब ये गतिविधियां कक्षा शिक्षण का विकल्प बनने के बजाय उसे मजबूत करने का माध्यम बनें।

जिन विषयों की पढ़ाई नहीं, उन पर भी कार्यक्रम

महाविद्यालय में संचालित विषयों और आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के बीच सामंजस्य भी सवालों के घेरे में है। कॉलेज कला एवं वाणिज्य संकाय का प्रमुख संस्थान है, लेकिन यहां पर्यटन, सौंदर्य प्रशिक्षण, राखी निर्माण, पर्यावरण, मानसिक स्वास्थ्य जैसे अलग-अलग विषयों पर लगातार कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें से कई विषय निश्चित रूप से सामान्य ज्ञान और व्यक्तित्व विकास के लिहाज से उपयोगी हो सकते हैं, लेकिन सवाल यह है कि इनकी संख्या और आयोजन का स्वरूप विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई के साथ कितना संतुलित है।

रिटायरमेंट से पहले उपलब्धियों की फेहरिस्त ?

प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता के कार्यकाल में गतिविधियों की संख्या में तेजी आई है। बताते हैं कि इसके पीछे विद्यार्थियों का कौशल विकास नहीं है बल्कि कॉलेज प्रशासन इन आयोजनों को उपलब्धि के तौर पर प्रस्तुत कर रहा है, लेकिन विद्यार्थियों के दृष्टिकोण से इनका मूल्यांकन भी जरूरी है। किसी प्राचार्य के कार्यकाल की सफलता केवल कार्यक्रमों की संख्या से नहीं, बल्कि कॉलेज की शैक्षणिक गुणवत्ता, परीक्षा परिणाम, नियमित कक्षाओं, शोध गतिविधियों और विद्यार्थियों के भविष्य पर पड़े प्रभाव से तय होनी चाहिए। कॉलेज में कार्यक्रम हों, विशेषज्ञ आएं, विद्यार्थियों को नए अवसर मिलें- इसका स्वागत होना चाहिए। लेकिन सवाल यह है कि क्या हर आयोजन के साथ यह भी सुनिश्चित किया जा रहा है कि विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई का नुकसान न हो? यदि आयोजन ही कॉलेज की पहचान बन जाएं और कक्षाएं पीछे छूट जाएं तो 'अग्रणी कॉलेज' की मूल पहचान पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

कॉलेज में पढ़ाई कम, आयोजन ज्यादा, हर दूसरे दिन सज रहा मंच

बीते कुछ समय के कॉलेज के कार्यक्रमों पर नजर डालें तो गतिविधियों की लंबी फेहरिस्त सामने आती है। इसी महीने 4 और 5 अगस्त को 'बुंदेलखंड : पर्यटन के क्षेत्र में रोजगार के अवसर' विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। संगोष्ठी में विशेषज्ञों और विद्वानों के घंटों तक व्याख्यान हुए। इसमें जो विद्वान बुलाए गए उनमें से एक ऐसी थीं जिनके स्वयं के शैक्षणिक कैरियर में कभी भी इतिहास, पुरातत्व या पर्यटन का विषय नहीं रहा। ज्यादातर वक्ता व्यक्तिगत एजेंडा सेटिंग में फिट बैठने के चलते आमंत्रित किए जाने की यहां परंपरा बना ली गई है। 8 अगस्त को पीएम-उषा योजनांतर्गत रोजगारमूलक कौशल प्रशिक्षण कार्यशालाओं का समापन हुआ। इसमें घंटों तक स्वागत भाषण, विषय प्रवर्तन भाषण, विशेषज्ञ वक्ताओं के उद्बोधन,मुख्य अतिथि का भाषण, अध्यक्षीय आसंदी का भाषण, आभार प्रदर्शन के भाषणों का लंबा सिलसिला चला। बीच में मंच संचालक ने अलग से समय लिया। फिर घंटों बाद मेधावी छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल, 5 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि और प्रशस्ति पत्र देने का समारोह भी आयोजित किया गया जिसके प्रलोभन में विद्यार्थी घंटों तक बौद्धिक अत्याचार सहने करते हुए बैठे रहे। कुछ तो चले भी गए। इसके पहले 11 जुलाई को छात्राओं के लिए 15 दिवसीय ब्यूटीशियन एवं राखी निर्माण प्रशिक्षण शुरू किया गया। उसी दिन नवीनीकृत वाचनालय 'अध्ययन दीर्घा' और प्राचार्य कक्ष का उद्घाटन भी हुआ। 13 जुलाई को विद्यार्थियों के मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक की समीक्षा की खबर सामने आई। 25 मई को जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत लाखा बंजारा झील परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। सभी में स्वागत की लंबी परंपरा, लंबे चौड़े फिजूल भाषण सुनने और तालियां बजाने को को मजबूर विद्यार्थी। विद्यार्थियों ने चर्चा में अपनी व्यथाएं बताईं लेकिन कालेज प्रबंधन,प्राचार्य का इतना भर कि वे अपना नाम लेने से बचते रहे। विद्यार्थियों का कहना था कि हमारे एक तरफ कुआं है दूसरी तरफ खाई। पाठ्यक्रम पूरा नहीं होने से परीक्षा परिणाम बिगड़ेगा और इन कार्यक्रमों की आडिएंस बनने से इंकार किया तो भी परिणाम बिगाड़ दिया जाएगा।

कॉलेज प्रबंधन को देना होगा जवाब

विद्यार्थियों और अभिभावकों के लिए यह जानना जरूरी है कि एक शैक्षणिक सत्र में कितने दिन नियमित कक्षाएं संचालित हुईं, कितने दिन विभिन्न कार्यक्रमों में विद्यार्थी लगाए गए और इन आयोजनों से विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों में कितना वास्तविक सुधार हुआ। कॉलेज प्रशासन यदि इन आंकड़ों को सार्वजनिक करे तो यह भी स्पष्ट हो सकेगा कि महाविद्यालय पढ़ाई में अग्रणी है या आयोजनों में।

कार्यक्रमों की चमक के बीच कक्षाओं की खामोशी कहीं भारी न पड़ जाए- यही वह सवाल है, जिस पर अग्रणी कॉलेज प्रशासन और उच्च शिक्षा विभाग को गंभीरता से विचार करना चाहिए।

इनका कहना है...

इस संबंध में प्राचार्य डॉ. सरोज गुप्ता ने कहा कि कॉलेज में आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों से विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई किसी भी तरह प्रभावित नहीं हो रही है। उन्होंने बताया कि इन गतिविधियों का उद्देश्य विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ अतिरिक्त कौशल और व्यावहारिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराना है। विशेष रूप से कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों से विद्यार्थियों को रोजगारपरक प्रशिक्षण मिल रहा है और प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद कई विद्यार्थी संबंधित क्षेत्रों में काम भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कॉलेज विद्यार्थियों की शिक्षा के साथ उनके कौशल विकास और रोजगार के अवसरों को भी प्राथमिकता दे रहा है।



गढ़ाकोटा में शान से फहराया तिरंगा मनाया गया आजादी का जश्न

गढ़ाकोटा। सागर जिले के गढ़ाकोटा में आजादी का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। आजादी के 80वें वर्ष गढाकोटा सहित आस पास के ग्रामीण क्षेत्रों कि शासकीय अशासकीय संस्थाओ सहित भवनों में सुबह राष्ट्रीय ध्वजरोहण किया गया। राष्ट्रीय पर्व कि पूर्व संध्या से जहां बारिश का दौर लगातार चल रहा है वहीं नगर के विभिन्न शासकीय अशासकीय स्कूलो में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं में राष्ट्रीय पर्व को लेकर खासा उत्साह देखा गया। सुबह सुहावने मौसम में सभी स्कूल के बच्चों कि नगर में प्रभात फेरी निकाली गई ओर संस्थाओं में बच्चों द्वारा देश प्रेम से ओत प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रमों कि बच्चों द्वारा प्रस्तुतियां दी गई। ध्वजारोहण के कार्यक्रम में बड़े पुल स्थित झंडा चौक एवं नगर भवन परिसर में नगर पालिका गढाकोटा अध्यक्ष संगीता मनोज तिवारी, शासकीय महाविद्यालय में डॉ घनश्याम भारतीय, शासकीय स्कूलों में कन्या उ.मा.शाला,बालक उच्चतर माध्यमिक शाला एवं प्राइवेट शालाओं में सरस्वती शिशु मंदिर, हायर सेकेंडरी, फास्टर पब्लिक स्कूल, होलीफेथ हायर सेकंडरी, एस.पी मेमोरियल हायर सेकंडरी स्कूल, मुख्य बाजार स्थित कांग्रेस द्वारा भारत माता मंदिर स्थित झंडा चौक सहित नदी पार स्थित संदीपनी स्कूल एवं शहीद स्मारक पर ध्वजारोहण किया गया। पूर्व मंत्री गोपाल भार्गव के द्वारा राष्ट्रीय पर्व कि पूर्व संध्या पर अपने निवास गणनायक में ध्वज फहराया। ओर देश वासियों को स्वतंत्रता दिवस कि शुभकामनाएं दीं।

नागपंचमी पर सपेरों पर वन विभाग की रही नजर

सागर। नाग पंचमी के अवसर पर सांपों को पकड़कर उनका प्रदर्शन करने वाले सपेरों पर वन विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। दक्षिण सागर वन मंडल अधिकारी के निर्देश पर उपवन मंडल अधिकारी ने टीम गठित कर शहर के विभिन्न क्षेत्रों में भेजी है। टीम सपेरों को समझाइश देने के साथ उनके पास पाए जाने वाले सांपों को वन विभाग के संरक्षण में लेकर सुरक्षित जंगल में छोड़ेगी। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिंदा सांपों को पकड़ना, कैद करना और उनका प्रदर्शन करना वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत प्रतिबंधित एवं दंडनीय अपराध है। दोषी पाए जाने पर 3 से 7 वर्ष तक की सजा और जुर्माने का प्रावधान है। विभाग ने सपेरों को चेतावनी दी है कि दोबारा सांप पकड़कर प्रदर्शन करते पाए जाने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही शहरवासियों से अपील की गई है कि वन्यजीवों की रक्षा और संरक्षण में सहयोग करें।

विचार समिति ने 501 स्थानों पर किया झंडावंदन

सागर। विचार समिति ने स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर विचार मोहल्ला विकास योजना से जुड़े परिवारों के बीच 501 स्थानों पर झंडावंदन किया। समिति परिसर में आयोजित कार्यक्रम में समिति सदस्यों ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रगान किया। इस दौरान एकनाथ अनुशिक्षण संस्था के सदस्य एवं विद्यार्थी, आदिनाथ परिवार के सदस्य और विचार समिति के पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। समिति की सचिव आकांक्षा मलैया ने कहा कि स्वतंत्रता दिवस हमें देश की एकता, अखंडता और जिम्मेदार नागरिक बनने का संकल्प लेने की प्रेरणा देता है। समाज के प्रत्येक वर्ग की सहभागिता से ही राष्ट्र मजबूत बनता है। समिति के कार्यकारी अध्यक्ष सुनीता अरिहंत ने बताया कि ग्राम मनेसिया स्थित विचार संस्कार विद्यालय में सरपंच सुंदर सिंह ठाकुर ने स्वतंत्रता दिवस पर झंडावंदन किया गया।

महापौर संगीता सुशील तिवारी ने तुलसी फाउंडेशन द्वारा आयोजित कांवड़ यात्रा का पुष्प वर्षा कर स्वागत किया



सागर। सावन माह की रिमझिम फुहारों और भक्तिमय वातावरण के बीच तुलसी फाउंडेशन द्वारा मां नर्मदा का जल लेकर बरमान से भूतेश्वर महादेव मंदिर तक आयोजित कांवड़ यात्रा का गोपालगंज स्थित महापौर निवास पर महापौर श्रीमती संगीता सुशील तिवारी ने कांवड़ यात्रियों का पुष्प वर्षा कर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए सुखद, सुरक्षित एवं मंगलमय यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं। इस दौरान श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया और पूरा वातावरण हर-हर महादेव एवं बोल बम के जयकारों से गूंज उठा। इस अवसर पर महापौर संगीता सुशील तिवारी ने कहा कि सावन का पावन महीना भगवान शिव की आराधना और भक्ति का पर्व है। कांवड़ यात्रा श्रद्धालुओं की आस्था, श्रद्धा और समर्पण की सुंदर अभिव्यक्ति है। उन्होंने कहा कि कांवड़ यात्रा श्रद्धालुओं को भगवान शिव की भक्ति के साथ-साथ सेवा, समर्पण और अनुशासन का संदेश देती है। रिमझिम बारिश के बीच श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह देखते ही बन रहा है। भाजपा प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट रिशांक तिवारी ने कहा कि सावन में भगवान शिव की भक्ति में निकाली जाने वाली कांवड़ यात्रा हमारी सनातन संस्कृति और धार्मिक परंपराओं का महत्वपूर्ण हिस्सा है। रिमझिम फुहारों के बीच कांवड़ यात्रियों का उत्साह और भगवान शिव के प्रति उनकी श्रद्धा पूरे वातावरण को भक्तिमय बना रही है। उन्होंने कहा कि श्रद्धा और भक्ति से जुड़े ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं और हमारी सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। महापौर निवास पर कांवड़ यात्रियों के स्वागत के दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान शिव के जयकारे लगाए। बारिश की रिमझिम फुहारों के बीच भी श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ और कांवड़ यात्रा भक्तिमय वातावरण में आगे बढ़ी। इस अवसर पर तुलसी फाउंडेशन के पदाधिकारी, कांवड़ यात्री, श्रद्धालु एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।



रेलवे स्टेशन रोड से फोरलेन होते हुए भैंसा बायपास ले जा रहे थे गांजा

कैंट पुलिस ने 20 किलो 356 ग्राम गांजा पकड़ा, दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ सागर



नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कैंट थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 20 किलो 356 ग्राम गांजा जब्त किया है। पुलिस ने गांजा परिवहन कर रहे दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 2.80 लाख रुपए कीमत का गांजा बरामद किया। इसके अलावा परिवहन में प्रयुक्त मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। गांजा और वाहन सहित कुल करीब 3.60 लाख रुपए का मशरूका जब्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार 16 अगस्त को कैंट थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति रेलवे स्टेशन रोड से फोरलेन होते हुए भैंसा बायपास की ओर मादक पदार्थ लेकर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने राठौर बंगला, कैंट के पास घेराबंदी कर संदिग्धों को रोककर उनकी तलाशी ली। तलाशी के दौरान दोनों के कब्जे से 20 किलो 356 ग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा परिवहन में इस्तेमाल की जा रही मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 15 जेडएच 2945 भी जब्त की है। वाहन की अनुमानित कीमत करीब 80 हजार रुपए बताई गई है।

दोनों आरोपी गिरफ्तार

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सौरभ पिता अमरसिंह अहिरवार (21), निवासी ग्राम तालचिरी, थाना गोपालगंज, सागर और प्रिंस पिता राजू अहिरवार (19), निवासी बिल्थरे मोहल्ला, गौरझामर, सागर के रूप में हुई है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया।

दो दिन पहले भी पकड़ा था गांजा

कैंट थाना पुलिस ने दो दिन पहले भी कार्रवाई करते हुए 2 किलो 272 ग्राम गांजा बरामद किया था। लगातार दूसरी कार्रवाई के बाद पुलिस की सक्रियता से मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में लगे लोगों में हड़कंप की स्थिति है। पुलिस का कहना है कि जिले में गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों की तस्करी, परिवहन और बिक्री करने वालों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

जिला अस्पताल में इलाज व्यवस्था बेहाल, मौसमी बीमारियों ने बढ़ाई भीड़

शिकायतों के बाद हुए प्रशासनिक निरीक्षण को मरीजों ने बताया केवल खानापूर्ति

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़





जिले में कम बारिश और उमस भरी गर्मी के बीच मौसमी बीमारियों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। सर्दी-जुकाम, मलेरिया और वायरल फीवर के मरीज बड़ी संख्या में जिला अस्पताल पहुंच रहे हैं। हालात यह हैं कि अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन मरीजों की संख्या बढ़कर करीब 1200 से 1500 तक पहुंच गई है। सुबह से ही पर्चा बनवाने से लेकर ब्लड सैंपल देने तक मरीजों और उनके परिजनों की लंबी कतारें लग रही हैं। बढ़ती भीड़ के बीच अस्पताल की व्यवस्थाएं भी दबाव में नजर आ रही हैं। बही दूसरी ओर प्रशासन द्वारा जिला अस्पताल में अचानक किये गये निरीक्षण को लेकर लोगो ने इसे महज प्रशासनिक खानापूर्ति बताया।

मौसमी बीमारियों के बढ़ते मामलों ने जिला अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाओं पर अतिरिक्त दबाव डाल दिया है। एक ओर मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर अस्पताल में चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ के पद बड़ी संख्या में रिक्त हैं। ऐसे में सीमित चिकित्सकीय अमले को ही सामान्य दिनों की तुलना में कहीं अधिक मरीजों की जांच और उपचार करना पड़ रहा है। जिला अस्पताल में पदस्थ चिकित्सको के अनुसार मरीजों की अत्यधिक संख्या के कारण चिकित्सकों को प्रतिदिन सामान्य से कहीं अधिक मरीजों की जांच करनी पड़ रही है। इससे न केवल चिकित्सकों पर काम का दबाव बढ़ रहा है, बल्कि अस्पताल में भीड़ को व्यवस्थित करने में भी परेशानी सामने आ रही है। सुबह अस्पताल खुलने के साथ ही मरीजों की भीड़ जमा होने लगती है। पर्चा बनवाने, चिकित्सक को दिखाने और जांच के लिए ब्लड सैंपल देने के दौरान कतारें लंबी होती जा रही हैं। कई मरीजों और उनके परिजनों को अपनी बारी के लिए काफी देर तक इंतजार करना पड़ रहा है। इधर मरीजों और उनके परिजनों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को लेकर गंभीर आरोप भी लगाए हैं। उनका कहना है कि डॉक्टरों की ड्यूटी सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक निर्धारित होने के बावजूद कुछ डॉक्टर समय पर अस्पताल नहीं पहुंचते। मरीजों का आरोप है कि कई बार डॉक्टर राउंड के नाम पर अपनी सीट से गायब रहते हैं, जिसके कारण मरीजों को इंतजार करना पड़ता है। मरीजों की शिकायतों और अस्पताल में व्यवस्थाओं की स्थिति को देखते हुए सोमवार को प्रशासनिक अधिकारियों ने जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। डिप्टी कलेक्टर अंजली शर्मा, एसडीएम संस्कृति लिटोरिया और तहसीलदार सत्येंद्र सिंह अस्पताल पहुंचे। निरीक्षण के दौरान कुछ डॉक्टर और कर्मचारी अपनी ड्यूटी से अनुपस्थित पाए गए। जिला अस्पताल की ओपीडी से लेकर इमरजेंसी वार्ड तक विस्तृत जांच की गई। निरिक्षण में शामिल प्रशासनिक टीम ने अस्पताल के अलग-अलग हिस्सों का निरीक्षण किया। टीम ने ओपीडी, इमरजेंसी वार्ड और अन्य विभागों में पहुंचकर व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इस दौरान यह भी देखा गया कि निर्धारित ड्यूटी के मुताबिक डॉक्टर और कर्मचारी अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं या नहीं। अधिकारियों ने उपस्थिति रजिस्टर और मौके पर मौजूद स्टाफ की स्थिति का मिलान किया।

जांच के दौरान कई डॉक्टरों और कर्मचारियों की गैरमौजूदगी सामने आने के बाद प्रशासन ने इसे गंभीरता से लिया। इस औचक निरीक्षण के दौरान कर्मचारियों की गैरहाजिरी सामने आने के बाद मरीजों और उनके परिजनों को उम्मीद थी कि लापरवाही बरतने वालों पर तत्काल कार्रवाई होगी। लेकिन निरीक्षण के बाद अधिकारी बिना किसी ठोस कार्रवाई के लौट गए। इसे लेकर लोगों में नाराजगी देखी गई और उन्होंने निरीक्षण को महज खानापूर्ति करार दिया। मरीजों का कहना है कि यदि प्रशासनिक निरीक्षण के बावजूद ड्यूटी से नदारद रहने वाले डॉक्टरों और कर्मचारियों पर कार्रवाई नहीं होती है तो ऐसे निरीक्षणों का उद्देश्य ही सवालों के घेरे में आ जाता है। जिला अस्पताल में स्टाफ की कमी भी स्वास्थ्य व्यवस्था की बड़ी चुनौती बनी हुई है। सिविल सर्जन डॉ. अमित शुक्ला के अनुसार अस्पताल में डॉक्टरों के 20 पद रिक्त हैं। वहीं स्टाफ नर्स के 147 स्वीकृत पदों में से केवल 107 नर्सें ही कार्यरत हैं, जबकि 40 पद खाली हैं। इसके अलावा स्टाफ बॉय सहित अन्य कई पद भी रिक्त पड़े हुए हैं। सिविल सर्जन के अनुसार मौसमी बीमारियों के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सकों और कर्मचारियों को अतिरिक्त समय तक काम करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बढ़ती मरीज संख्या के बीच उपचार व्यवस्था को संभाला जा सके। जिले में मौसमी बीमारियों का प्रकोप ऐसे समय बढ़ा है, जब जिला अस्पताल पहले से ही चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ की कमी से जूझ रहा है। मरीजों की संख्या 1200 से बढ़कर 1500 के आसपास पहुंचने और डॉक्टरों के 20 पद रिक्त होने से अस्पताल की व्यवस्था पर दोहरा दबाव बन गया है। अब सवाल यह है कि जब मौसम बदलने के साथ मरीजों की संख्या और बढ़ने की आशंका है, तब जिला अस्पताल में रिक्त चिकित्सकीय और नर्सिंग पद कब भरे जाएंगे? साथ ही, औचक निरीक्षण में अनुपस्थित मिले डॉक्टरों और कर्मचारियों पर कार्रवाई कब होगी? फिलहाल मरीज भीड़, कतार और इंतजार के बीच बेहतर स्वास्थ्य व्यवस्था की उम्मीद लगाए हुए हैं।

पीड़ित ने एसपी से लगाई गुहार, 27 जुलाई को तोड़ी जाली और 7 अगस्त को मारपीट का प्रयास

पुरखों की जमीन पर अवैध कब्जा जाली तोड़कर मारपीट की धमकी

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़



जिले के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम गोर में पुश्तैनी भूमि पर कब्जे को लेकर विवाद सामने आया है। ग्राम गोर निवासी राजू रजक ने पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर न्याय की गुहार लगाते हुये बताया कि उसकी पुश्तैनी कब्जे की भूमि पर दबंगई के बल पर कब्जा करने का प्रयास किया जा रहा है। पीड़ित ने मामले की जांच कर जमीन पर लगाई गई जाली तोड़ने तथा उसके साथ मारपीट करने के आरोपों पर कार्रवाई की मांग की है। एसपी को दिए आवेदन के अनुसार राजू रजक ने बताया कि ग्राम गोर से लगी ग्राम केसरमढ़ की भूमि के खसरा नंबर 36, 37, 38 और 39 के अंश रकबा पर उसके पिता के समय से ही उनका कब्जा चला आ रहा है। पीड़ित के अनुसार उसके पिता का निधन करीब 40 वर्ष पहले हो चुका है। इसके बाद उसकी मां और वह स्वयं उक्त भूमि पर फसल बोकर परिवार का भरण-पोषण करते आ रहे हैं। आवेदन में आरोप लगाया गया है कि गांव के तत्कालीन सरपंच द्वारका समेले एवं उनके दामाद लखन दुबे द्वारा धनबल के आधार पर उक्त खसरा की भूमि में कथित रूप से दो-तीन बार बंटन कराकर भूमि प्राप्त कर ली गई है। पीड़ित का आरोप है कि अब इसी आधार पर उसकी पुश्तैनी कब्जे वाली भूमि पर भूमि स्वामी का लेख कराकर उसे बेदखल करने का प्रयास किया जा रहा है। राजू रजक के मुताबिक विवाद उस समय और बढ़ गया, जब 27 जुलाई की रात उसकी भूमि की जाली तोड़ दी गई। पीड़ित ने घटना की शिकायत संबंधित थाना पुलिस से भी की। इसके बाद 7 अगस्त को लखन दुबे की सह पर धूप सिंह खंगार द्वारा पीड़ित को कुल्हाड़ी से मारने का प्रयास किया गया। आवेदन में आरोप है कि घटना के दौरान जान से मारने की धमकी भी दी गई तथा एससी-एसटी एक्ट लगाकर जेल भेजने की धमकी देकर भयभीत किया गया। पीड़ित ने बताया कि घटना को लेकर थाना मोहनगढ़ में रिपोर्ट भी की गई है। आवेदन के साथ घटना का वीडियो भी संलग्न किए जाने का उल्लेख किया गया है। राजू रजक ने पुलिस अधीक्षक से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराते हुए पुश्तैनी भूमि की जाली तोड़कर कब्जा करने के प्रयास और मारपीट के आरोपों में आवश्यक कार्रवाई किए जाने की मांग की है। अब देखना होगा कि भूमि विवाद से जुड़े दस्तावेजों, कब्जे की स्थिति और लगाए गए मारपीट के आरोपों की पुलिस जांच में क्या तथ्य सामने आते हैं और मामले में क्या कार्रवाई की जाती है।

देशभक्ति के रंग में रंगा हनुमंत स्कूल

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़



श्रीहनुमंत हायर सेकेंडरी स्कूल में 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस उत्साह, उमंग और देशभक्ति के माहौल में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पूर्व विधायक राकेश गिरी गोस्वामी रहे। विद्यालय परिसर में सुबह से ही राष्ट्रीय पर्व को लेकर विशेष उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 7:30 बजे विद्यालय के संस्थापक फूलचन्द्र रजक नोटरी एडवोकेट द्वारा ध्वजारोहण के साथ हुई। ध्वजारोहण के बाद विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों ने राष्ट्रगान गाकर देश के प्रति सम्मान और समर्पण का भाव प्रकट किया। विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता दिवस की थीम पर अपने विचार और भाषण प्रस्तुत किए। भाषण प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने स्वतंत्रता संग्राम, देशभक्ति, राष्ट्र निर्माण और नागरिक जिम्मेदारियों से जुड़े विषयों पर प्रभावी ढंग से अपनी बात रखी। प्रतियोगिता में ग्रुप के आधार पर प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों के साथ सभी प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान कर उत्साहवर्धन किया गया। समारोह के दूसरे चरण में विद्यालय के छोटे-छोटे बच्चों ने अपनी शानदार सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया।

चंदपुरा पंचायत की बदहाल तस्वीर ने खोली व्यवस्था की पोल

अंतिम सफर के लिए भी रास्ता नसीब नहीं, मुक्तिधाम जमीन पर कब्जा, कीचड़ में कंधों पर शव व लकड़ियां

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़



अंतिम सफर के लिए भी अगर रास्ता न मिले तो इससे बड़ी विडंबना क्या होगी। जिले के खरगापुर तहसील अंतर्गत चंदपुरा पंचायत में मुक्तिधाम तक पहुंचने के लिए पक्का रास्ता नहीं होने के कारण ग्रामीणों को हर बार परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सोमवार को एक अंतिम संस्कार के दौरान इस बदहाल व्यवस्था की तस्वीर सामने आई, जब अंतिम यात्रा में शामिल ग्रामीणों को कीचड़ भरे रास्ते से होकर गुजरना पड़ा। हालात इतने खराब थे कि शव के साथ अंतिम संस्कार के लिए जरूरी लकड़ियां भी ग्रामीणों को कंधों पर उठाकर मुक्तिधाम तक ले जाना पड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि यह समस्या कोई नई नहीं है। लंबे समय से मुक्तिधाम तक पहुंच मार्ग की मांग की जा रही है, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा अब तक स्थायी समाधान नहीं कराया गया। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि गांव के मुख्य मार्ग से मुक्तिधाम की दूरी महज करीब 50 मीटर है, लेकिन इस छोटी-सी दूरी को तय करने के लिए भी ग्रामीणों को कीचड़, अतिक्रमण और अव्यवस्थित रास्ते से जूझना पड़ता है। हाल ही में बंदरा अहिरवार और दयाराम अहिरवार के अंतिम संस्कार के दौरान भी परिजनों एवं ग्रामीणों को इसी समस्या से दो-चार होना पड़ा। अंतिम यात्रा के दौरान रास्ते की स्थिति ने लोगों की मुश्किलें और बढ़ा दीं। बरसात के कारण रास्ता कीचड़ से भर गया, जिससे शव को मुक्तिधाम तक ले जाने में खासी परेशानी हुई। अंतिम संस्कार की सामग्री पहुंचाने के लिए भी ग्रामीणों को कंधों का सहारा लेना पड़ा। ग्रामीणों के अनुसार मुक्तिधाम के लिए करीब डेढ़ एकड़ भूमि स्वीकृत है, लेकिन जमीन पर कथित कब्जे के कारण वहां तक पहुंच मार्ग का निर्माण नहीं हो पा रहा है। पंचायत सरपंच वेदेही पाठक के पति संजय पाठक ने बताया कि मुक्तिधाम के लिए स्वीकृत भूमि पर गांव के पूर्व सरपंच का कब्जा बताया जा रहा है। उनके अनुसार इसी कथित अतिक्रमण के चलते मुख्य मार्ग से मुक्तिधाम तक सड़क निर्माण की राह बाधित है। संजय पाठक का कहना है कि इस समस्या को लेकर कलेक्टर और तहसीलदार से कई बार लिखित शिकायत की जा चुकी है। इसके बावजूद अब तक अतिक्रमण हटाने और पहुंच मार्ग का निर्माण कराने की दिशा में ठोस कार्रवाई नहीं हुई है।

ग्रामीणों का कहना है कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद परिवार पहले ही दुख की स्थिति में होता है। ऐसे समय में अंतिम संस्कार के लिए शव को कीचड़ भरे रास्ते से ले जाना और लकड़ियां कंधों पर उठाकर पहुंचाना बेहद पीड़ादायक स्थिति है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि जब मुक्तिधाम के लिए जमीन स्वीकृत है और मुख्य सड़क से दूरी भी महज 50 मीटर है, तो आखिर इतने वर्षों से वहां तक पहुंचने के लिए सड़क क्यों नहीं बन सकी? चंदपुरा पंचायत के ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि मुक्तिधाम की स्वीकृत भूमि की मौके पर जांच कराकर यदि अतिक्रमण है तो उसे तत्काल हटाया जाए। इसके साथ ही मुख्य मार्ग से मुक्तिधाम तक सीसी सड़क का निर्माण कराया जाए, ताकि बरसात सहित किसी भी मौसम में अंतिम यात्रा को परेशानी न हो। ग्रामीणों का कहना है कि यह सुविधा किसी व्यक्ति विशेष के लिए नहीं, बल्कि पूरे गांव के लिए जरूरी है। अब देखना यह है कि अंतिम संस्कार के दौरान सामने आई इस गंभीर समस्या के बाद प्रशासन कब तक कार्रवाई करता है।

आख़रिकार फूट ही गया लिधौरा नप में भ्रष्टाचार आरोपों का बम

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़

10 बिंदुओं की शिकायत में नगरवासियों ने सीएमओ और परिषद अध्यक्ष पर लगाए आरोप



जिले की लिधौरा नगर परिषद में कथित भ्रष्टाचार को लेकर नगरवासियों ने मोर्चा खोल दिया है। नगर परिषद के मुख्य नगर परिषद अधिकारी और नगर परिषद अध्यक्ष के खिलाफ भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाते हुए 10 बिंदुओं की शिकायत वरिष्ठ अधिकारियों से की गई है। शिकायत में वित्तीय अनियमितताओं से लेकर निर्माण कार्यों में कथित गड़बड़ी, निविदा प्रक्रिया में नियमों की अनदेखी, कर्मचारियों की नियुक्ति और स्वच्छता सामग्री की खरीदी सहित कई मामलों की जांच की मांग उठाई गई है। नगरवासियों द्वारा दिए गए आवेदन में आरोप लगाया गया है कि नगर परिषद में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया गया है। आवेदन में यह भी दावा किया गया है कि पूर्व में प्रधानमंत्री आवास योजना से संबंधित करीब 1.31 करोड़ रुपए के कथित भ्रष्टाचार मामले में ईओडब्लू में एफआईआर भी हो चुकी है, इसके बावजूद मुख्य नगर परिषद अधिकारी के पद पर संबंधित अधिकारी के कार्यरत रहने को लेकर सवाल उठाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने तथा कथित रूप से भ्रष्टाचार में लिप्त सीएमओ को नगर परिषद से हटाने की मांग की है।

सफाई सामग्री की खरीदी भुगतान व मस्टर कर्मियों पर सवाल

शिकायत के पहले बिंदु में वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में सफाई सामग्री खरीदी के लिए उपलब्ध कराई गई राशि का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया गया है कि खरीदी गई सामग्री के भुगतान के लिए निकाय द्वारा उपलब्ध कराई गई राशि के अलावा अन्य मद से भी भुगतान किया गया। शिकायतकर्ताओं ने इसे नियमों के विपरीत बताते हुए जांच की मांग की है। दूसरे बिंदु में अध्यक्ष एवं मुख्य नगर पालिका अधिकारी द्वारा निकाय में अस्थायी कर्मचारी मस्टर पर लगाए जाने का आरोप लगाया गया है। शिकायत में कहा गया है कि मस्टर पर कर्मचारियों को लगाए जाने को लेकर शासन स्तर पर पूर्ण प्रतिबंध होने के बावजूद नियमों के विपरीत मस्टर पर कर्मचारी रखे गए। वहीं ई-निविदा के माध्यम से निर्माण कार्य एवं सामग्री खरीदी की निविदाएं लगाए जाने के बाद उन्हें कुछ समय के लिए इसलिए खोले जाने का आरोप है, ताकि कथित तौर पर अपने पसंदीदा ठेकेदारों को दर डालने का अवसर मिल सके। शिकायतकर्ताओं ने निविदा प्रक्रिया और सामग्री खरीदी से जुड़े दस्तावेजों की जांच कराने की मांग की है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि पूरी प्रक्रिया शासन के नियमों के अनुरूप हुई या नहीं।

पांचवें बिंदु में एक माह के लेखा नियमों का पालन करते हुए एक लाख रुपए के भीतर कई बार सामग्री खरीदी किए जाने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इस प्रकार की खरीदी में नियमों का पालन किया गया या नहीं, इसकी भी जांच आवश्यक है। शिकायत में पीआईसी प्रस्ताव पारित कर पदोन्नति किए जाने के मामले का भी उल्लेख है।

स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत खरीदी गई वेलिंग एवं फटका मशीन के उपयोग को लेकर भी गंभीर सवाल उठाए गए हैं। शिकायत में कहा गया है कि निकाय में रखी मशीनें जंग खा रही हैं और उनका उपयोग नहीं किया जा रहा है। इसके बावजूद मशीनों की खरीदी में लाखों रुपए खर्च किए जाने का आरोप लगाया गया है। इसके अलावा टैंटिंग ग्राउंड की जेसीबी से सफाई के नाम पर भी लाखों रुपए के फर्जी भुगतान किए जाने का आरोप आवेदन में लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं ने संबंधित भुगतान और कार्य की मौके पर जांच कराने की मांग की है। शिकायत के आठवें बिंदु में वार्ड क्रमांक 09 में चले रहे निर्माण कार्यों में घटिया सड़क निर्माण कर फर्जी भुगतान किए जाने का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की तकनीकी जांच कराई जाए और मौके पर किए गए कार्य तथा भुगतान का मिलान कराया जाए।

जांच हुई तो खुल सकती है कई फाइलों की परतें

आवेदन में दिनांक 27 जनवरी की पीआईसी बैठक का भी उल्लेख किया गया है। शिकायतकर्ताओं के अनुसार इस बैठक में 89 प्रस्ताव पारित किए गए, जिनमें से कई प्रस्ताव नियम विरुद्ध बताए गए हैं। शिकायत में इन सभी प्रस्तावों की जांच कराने की मांग की गई है। दसवें बिंदु में निकाय में चल रहे निर्माण कार्यों के भुगतान को लेकर गंभीर आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं का आरोप है कि एक निर्माण कार्य के लिए कई बार भुगतान किए जा रहे हैं, जो कथित रूप से बड़े वित्तीय भ्रष्टाचार की ओर संकेत करता है। इस मामले में भुगतान संबंधी सभी अभिलेखों की जांच कराने की मांग की गई है। नगरवासियों ने आवेदन में इन सभी आरोपों की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। साथ ही भ्रष्टाचार में लिप्त पाए जाने वाले मुख्य नगर परिषद अधिकारी को नगर परिषद से हटाने की मांग भी की गई है। शिकायत की प्रतिलिपि मुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन आयुक्त, संभागीय आयुक्त सागर और कलेक्टर टीकमगढ़ को भी भेजे जाने का उल्लेख है। आवेदन पर 17 अगस्त की तारीख दर्ज है और बड़ी संख्या में लोगों के हस्ताक्षर भी दिखाई दे रहे हैं। वहीं इस मामले में सीएमओ प्रदीप भदौरिया का कहना है कि, मेरे ऊपर लगाए गए सभी आरोप तथ्यहीन और निराधार हैं। और ईओडब्लू की कार्यवाही प्रशासन जानेगा कि क्या करना है।

प्याज की फसल उजाड़ने का विरोध, मारपीट

ललितपुर। थाना बानपुर क्षेत्र के ग्राम बानपुर में खेत में लगी प्याज की पौध नष्ट करने का विरोध करने को लेकर पुरानी रंजिश में एक परिवार के साथ मारपीट और घर में घुसकर तोडफ़ोड़ किए जाने का मामला सामने आया है। आरोप है कि लाठी-डंडों से लैस लोगों ने पहले दुकान पर बैठे युवक के साथ मारपीट की और इसके बाद घर में घुसकर महिला के साथ भी मारपीट करते हुए गृहस्थी का सामान क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर पांच नामजद समेत अन्य अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्राम बानपुर निवासी आत्माराम पुत्र हरिराम यादव ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 14 अगस्त की सुबह करीब 9.30 बजे उसकी पत्नी बबीता घर के अंदर खाना बना रही थीं, जबकि उसका भतीजा शोर सिंह रामसिंह के मकान के बाहर बनी सीमेंट की दुकान पर बैठा था। आरोप है कि इसी दौरान राम किशोर, करन सिंह, खिलान सिंह पुत्रगण रत्तीराम यादव, सोनू पुत्र राम किशोर और पलियान, कुछ अन्य लोगों के साथ वहां पहुंचे।

सर्वशिक्षा अभियान में शत-प्रतिशत क्रियान्वयन व सीएम हेल्पलाइन के संतुष्टिपूर्ण निराकरण पर किया सम्मान

सबसे बड़े विभाग में से सिर्फ दो कर्मचारी स्वतंत्रता दिवस पर हुए सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ टीकमगढ़





स्वतंत्रता दिवस के राष्ट्रीय पर्व पर जिले में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित किया गया। पुलिस ग्राउंड में आयोजित जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस समारोह में कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने ध्वजारोहण कर राष्ट्रीय पर्व की गरिमा बढ़ाई। ध्वजारोहण के बाद विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने देशभक्ति से ओतप्रोत सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समारोह में उत्साह और उमंग का माहौल बना दिया। समारोह के दौरान जिले में शासकीय सेवाओं के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। खास बात यह रही कि जिले के सबसे बड़े शासकीय अमले में शामिल शिक्षा विभाग में उत्कृष्ट कार्य के लिए पलेरा विकासखंड के दो जन शिक्षकों को चयनित किया गया। कलेक्टर विवेक श्रोत्रिय ने जन शिक्षा केंद्र सगरवारा के जन शिक्षक अमित चतुर्वेदी तथा जन शिक्षा केंद्र स्यावनी के जन शिक्षक अजय शुक्ला को प्रशस्ति देकर सम्मानित किया।

शिक्षा विभाग जिले का सबसे बड़ा शासकीय अमला माना जाता है। ऐसे में पूरे जिले से उत्कृष्ट कार्य के लिए केवल दो जन शिक्षकों का चयन होना इस सम्मान को और विशेष बना देता है। पलेरा विकासखंड के अमित चतुर्वेदी और अजय शुक्ला ने विभागीय गतिविधियों के प्रभावी क्रियान्वयन के साथ शासन की प्राथमिकताओं को धरातल तक पहुंचाने में उल्लेखनीय कार्य किया। दोनों जन शिक्षकों के कार्यों को प्रशासन द्वारा इसलिए सराहा गया क्योंकि इनके द्वारा सर्वशिक्षा अभियान के अंतर्गत संचालित विभिन्न गतिविधियों का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित किया गया। इसके साथ ही सीएम हेल्पलाइन में प्राप्त शिकायतों का शत-प्रतिशत संतुष्टिपूर्वक निराकरण कराने में भी दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

जिम्मेदारी के साथ काम करने का मिला परिणाम

जन शिक्षकों की जिम्मेदारी केवल शैक्षणिक गतिविधियों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि उन्हें अपने क्षेत्र के विद्यालयों में शासन की योजनाओं और शिक्षा विभाग की गतिविधियों के प्रभावी संचालन एवं निगरानी में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होती है। ऐसे में विभागीय योजनाओं का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन और सीएम हेल्पलाइन जैसी व्यवस्था में शिकायतों का संतुष्टिपूर्वक निराकरण प्रशासनिक कार्यप्रणाली के प्रति गंभीरता को दर्शाता है। स्वतंत्रता दिवस जैसे जिला स्तरीय समारोह में कलेक्टर के हाथों सम्मानित होना दोनों जन शिक्षकों के लिए गौरव का विषय रहा। इस उपलब्धि से पलेरा विकासखंड के शिक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों, शिक्षकों और कर्मचारियों में भी उत्साह का माहौल है।

पलेरा के शिक्षा क्षेत्र के लिए गौरव का क्षण

जनशिक्षक अमित चतुर्वेदी और अजय शुक्ला को मिला यह सम्मान न केवल व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पलेरा विकासखंड के शिक्षा विभाग के लिए भी गौरव का विषय माना जा रहा है। जिले के बड़े शिक्षा अमले में उत्कृष्ट कार्य के लिए चयनित होकर दोनों जन शिक्षकों ने यह संदेश दिया है कि विभागीय जिम्मेदारियों का प्रभावी और जवाबदेह तरीके से निर्वहन करने पर प्रशासन द्वारा उसका मूल्यांकन और सम्मान किया जाता है। समारोह में सम्मान प्राप्त करने वाले दोनों जन शिक्षकों ने इसे अपने कार्यक्षेत्र से जुड़े शिक्षकों एवं कर्मचारियों के सहयोग का परिणाम बताया।

शाही सवारी के दौरान शिवमय हुआ शहर का नजारा,नजर आई उज्जैन सी झलक

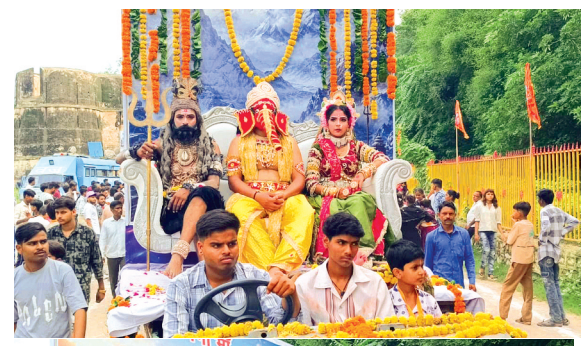
ठाट-बाट से निकाली सोनेश्वर महादेव की शाही सवारी, दर्शनों को उमड़े श्रद्धालु

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

शिव की नगरी श्योपुर में सोमवार को निकली सोनेश्वर महादेव की शाही सवारी ने श्योपुर की पावन धरा को शिवमय कर दिया। पालकी में सवार बाबा महाकाल के दर्शन व पालकी को छुने के लिए हर कोई आतुर था। किला स्थित श्री सोनेश्वर महादेव मंदिर से जैसे ही बाबा महाकाल की शाही सवारी निकली तो हर-हर महादेव, जय महाकाल के उद्घोष से पूरा माहौल शिव की भक्ति में तल्लीन हो गया। ढोल-ताशे, झांज मजीरे, बैंड बाजे एवं डीजे की धुन पर बाबा महाकाल के भजनों में श्रद्धालु भोले की भक्ति में झूम उठे।

सावन के तीसरे सोमवार को यह शाही सवारी उज्जैन के बाबा महाकाल की शाही सवारी की तर्ज पर निकाली गई। शहर की सड़कों पर जैसे ही शाही सवारी निकली शाही सवारी को देखने एवं बाबा महाकाल के दर्शन के लिए सैकडों की संख्या में श्रद्धालुओं का हुजूम उमड़ा। हर कोई इस ऐतिहासिक पल को अपने मोबाइल में कैद करने को आतुर था। उज्जैन की तर्ज पर ही पालकी में बाबा महाकाल को विराजमान किया गया। शाही ठाट-बाट से निकाली गई बाबा महाकाल की शाही सवारी के दौरान श्योपुर में उज्जैन सा नजारा दिखाई दिया। शाही सवारी के दौरान बडी तादात में श्रद्धालु शामिल हुए। सवारी के दौरान चल रही भगवान के विभिन्न स्वरूपों की झांकियां भी खासा आकर्षण का केन्द्र रही। भव्य शाही सवारी सोनेश्वर महादेव मंदिर से किला रोड, सूबात चैराहा और मुख्यबाजार होते हुए जय स्तंभ चैक पर पहुंची और यहां से पुरानी पुलिस लाइन, जिला पंचायत निवास और रामतलाई हनुमान मंदिर होते हुए वापस सोनेश्वर महादेव मंदिर पर पहुंचकर सम्पन्न हुई। इस दौरान पुलिस प्रशासन के द्वारा सुरक्षा के पुख्ता प्रबंध किए गए थे। पुलिस व प्रशासन के अफसर भी साथ चल रहे थे।









स्वागत के लिए उमड़ा शहर,जगह जगह उतारी आरती

शहर में सोनेश्वर महादेव समिति के द्वारा निकाली गई इस ऐतिहासिक भव्य बाबा महाकाल की शाही सवारी का आम से लेकर खास ने भक्ति रूपी उत्साह से स्वागत किया। चाहे राजनीतिक दल हो या सामाजिक सभी ने जोरदार स्वागत कर बाबा महाकाल के दर्शन किए। शहर भ्रमण के दौरान जगह-जगह बाबा महाकाल की सवारी का स्वागत किया गया और सवारी के दौरान शामिल श्रद्धालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था भी की गई। बाबा महाकाल की शाही सवारी शहर के मार्गो से होकर गुजरी तो दर्शनों के लिए भक्तों का उत्साह देखते ही बनता था। आलकी के पालकी जय हो महाकाल के उद्घोष के साथ हर कोई झूम उठा। शहर में जगह जगह बाबा महाकाल की आरती कर स्वागत किया गया।

इकलौद गांव को अगरा से हटाकर विजयपुर में जोड़ने की मांग

उप तहसील की सौगात को अभिशाप बता विरोध कर रहे इकलौद वासी

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

करीब 8 माह पहले जिस अगरा गांव को उप तहसील का दर्जा दिया गया था और जिसे नेता सरकार की सौगात बताते थक नहीं रहे हैं उस अगरा तहसील में शामिल इकलौद गांव ने अब उप तहसील के अन्तर्गत रहने से बगावत कर दी है। ग्रामीणों का कहना है कि यह उनके लिए सौगात नहीं बल्कि अभिशाप है। उनके गांव को अगरा में करने से उन्हें सुविधा के बजाए परेशानी अधिक उठानी पड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इकलौद तहसील मुख्यालय विजयपुर का सीमावर्ती वर्ती गांव है। ग्रामीणों को अगरा तहसील में शामिल होने के बाद उल्टे सुविधा के बजाय परेशानी उठानी पड़ रही है और लंबी दूरी का सफर तय करना पड़ रहा है।

इस संबंध में सोमवार को विजयपुर पहुंचे ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंप तत्काल इकलोद को विजयपुर तहसील में शामिल करने की मांग की। मांगे नहीं माने जाने पर सड़क पर उतर कर जन आंदोलन के चेतावनी दी गई है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि ग्राम इकलोद तहसील विजयपुर का सबसे बडा राजस्व ग्राम है। ग्राम की तहसील कार्यालय विजयपुर से मात्र 4 कि.मी दूरी है। जबकि ग्राम इकलोद के उप तहसील अगरा में शामिल कर दिया है। जो जनहित में उचित नहीं है। इससे हम लोगों को ग्राम इकलोद में अतिआवश्यक कार्य जैसे जन्म, मृत्यु के प्रकरण न्यायलय में संशोधित करने हेतु शासन से निर्देश प्राप्त हुये है। तत्कालिक उक्त प्रकरणों का निर्धारित करने व ग्राम इकलोद को उप तहसील अगरा से विजयपुर मे संबंधित स्थापित कराने यह समस्त ग्रामवासी अगरा से प्रथक होकर विजयपुर में शामिल कराया जाए। उक्त प्रकरणों के निराकरण 02 अक्टूबर तक नहीं हुआ तो समस्त ग्रामवासी दिनांक 04 अक्टूबर से अनिश्चित तत्कालीन धरना प्रदर्शन व चक्का जाम करने को मजबूर होगे। ज्ञापन देने से पहले ग्रामीणों ने इकलौद को विजयपुर तहसील में शामिल कराने की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की।



इनका कहना...

वैसे तो इकलौद दूरी विजयपुर से 4 किलोमीटर है लेकिन जिस तरह सीमा वृद्धि हो रही है उससे वो विजयपुर तहसील का ही हिस्सा माना जा रहा है ऐसी स्थिति में इकलौद को विजयपुर से पृथक कर अगरा में शामिल करना गलत निर्णय है। उप तहसील होने से तहसीलदार और कर्मचारी ऑफिस में नहीं मिलते हैं जिससे परेशानी बढ़ रही है। अगर मांगों का निराकरण नहीं हुआ तो समस्त ग्रामवासी धरना प्रदर्शन आंदोलन को मजबूर हो जाएंगे।

उपेंद्र दीक्षित
समाजसेवी

किसान मित्र, किसान दीदी की सेवाएं बहाल करने सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

आत्मा योजना अंतर्गत वर्ष 2007-08 में चयनित किए गए किसान मित्र एवं किसान दीदियों की सेवाए पूरे प्रदेश में खत्म करने के सरकारी फैसले के खिलाफ मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौपा गया। ज्ञापन में उल्लेख किया है कि 2007 से वर्ष 2013 तक (आत्मा परियोजना कर्मचारियों के भर्ती से पहले तक) शासन द्वारा कृषि विभाग की योजनाओं के क्रियान्वयन के साथ साथ आत्मा परियोजना की समस्त गतिविधियों का क्रियान्वयन भी सिर्फ किसान मित्र / दीदी के सहयोग से ही हो रहा था। वर्ष 2013 में आत्मा कर्मचारियों की भर्ती उपरान्त किसान मित्र / दीदी दुगनी ताकत से विभागीय कार्य में शत-प्रतिशत सहयोग कर प्रदेश को लगातार 6 बार कृषि कर्मण अवार्ड दिलवाने में महती भूमिका निभाई। 31 दिसम्बर 2019 को (संदर्भित पत्र संलग्न) संचालक के आदेश से म.प्र. के लगभग 27000 किसान मित्र/दीदी को सेवा से पृथक कर दिया गया था। किन्तु इसके बाद भी किसान मित्र / दीदी के द्वारा विभाग की समस्त गतिविधियों जिला एवं विकासखण्ड स्तर पर पदस्थ अधिकारी कर्मचारियों के निर्देश पर समस्त गतिविधियों में अपनी सहभागिता दे रहे है।तब किसान मित्र/दीदी बहाली आश्वासन दिया जाता रहा लेकिन बहाली नहीं हुई। किसान हित को ध्यान में रखते हुए सभी किसान मित्र और दीदियों की बहाली की जाए।

सभी स्कूलों में बिजली, पानी की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएः कलेक्टर

डीपीसी, क्षय रोग अधिकारी और उप संचालक कृषि को नोटिस जारी करने के निर्देश

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

सभी स्कूलों में बिजली और पानी की सुविधाएं सुनिश्चित की जाए। विद्यालयों का निरीक्षण करायें तथा ऐसे विद्यालय जिनमें अभी भी बिजली और पानी की व्यवस्थाएं नही हैं, वहां पर यह सुविधाएं सुनिश्चित की जायें। सभी विद्यालयों में बालिका शौचालयों की सुविधा सुनिश्चित की जायें। यह निर्देश कलेक्टर शीला दाहिमा ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय सीमा की बैठक को संबोधित करते हुए अधिकारियो को दिए। बैठक के दौरान कलेक्टर ने स्कूल भवनो की रिपोर्ट प्रस्तुत नही करने पर डीपीसी भूपेन्द्र शर्मा, टीबी रोगियों को मानक अनुसार फूड बॉस्केट वितरण नही किये जाने पर क्षय रोग अधिकारी डॉ यतेन्द्र रावत तथा कृषको की ग्रामवार जानकारी उपलब्ध नही कराने पर उप संचालक कृषि जीके पचौरिया को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये गये।

बैठक के दौरान कलेक्टर शीला दाहिमा ने कहा कि श्री गुरू रविदास महाराज समरसता संकल्प अभियान के तहत 20 अगस्त से 10 सितंबर तक आयोजित होने वाली कलश रथ यात्रा आयोजन की सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाये। उन्होंने प्रभारी एलडीएम को निर्देश दिये विभिन्न रोजगारमूलक योजनाओं में ऋण स्वीकृति एवं वितरण की जानकारी पाक्षिक रूप से प्रस्तुत की जायें। इसके साथ ही पीएम किसान सम्मान निधि की प्रतिदिन समीक्षा किये जाने के निर्देश भी दिये। उन्होंने कहा कि तहसील कराहल, वीरपुर एवं विजयपुर में फार्मर रजिस्ट्री बनाने के कार्य में ओर अधिक प्रगति लाई जायें। कलेक्टर ने एमपीआरडीसी के अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि गोरस-शिवपुरी रोड का निर्माण कार्य अभी श्योपुर जिले अंतर्गत शुरू करने तथा एमपीयूडीसी के अधिकारियों को पाईपलाइन बिछाने के बाद सडक का रिस्टोरेशन शीघ्रता से करने के निर्देश भी दिये। ब्रिज कॉर्पोरेशन के अधिकारियों ने बताया कि मानपुर पुल पर एक साइड में एप्रोच मार्ग का सीसी कार्य शेष है, एक सप्ताह में कार्य शुरू कराया जायेगा, वर्तमान में मानपुर पुल से ट्रैफिक निकलने की वैकल्पिक व्यवस्थाएं कर दी गई है तथा आवागमन शुरू कराया गया है। बैठक में सीईओ जिला पंचायत सौम्या आनंद, अपर कलेक्टर रूपेश उपाध्याय, डिप्टी कलेक्टर विजय शाक्य एवं शिवलाल शाक्य सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।



खाद्यान्न उठाव नहीं करने वाले पीडीएस दुकान संचालक की शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

मानपुर के काशीपुर गांव में स्कूल आंगनबाड़ी में भोजन नाश्ता पकाकर खिलाने वाले प्रिंस स्व सहायता समूह ने जिला खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी को आवेदन देते हुए गांव के पीडीएस दुकान विक्रेता पर खाद्यान्न नहीं देने और बेवजह परेशान करने का आरोप लगाते हुए उसे हटाने तथा डंडात्मक कार्यवाई करने की मांग की है। जिला खाद एवं नागरिक आपूर्ति अधिकारी को सौपे आवेदन में उल्लेख है कि उचित मूल्य की दुकान काशीपुर में पदस्थ सेल्समेन प्रिंस महिला स्व सहायता समूह का खाद्यान्न लगभग 15-20 दिन पहले आ चुका है लेकिन हमें आज नितंर तक खाद्यान नहीं दिया गया। और बताता कि अभी आया नहीं है अगर समूह ने समय सीमा में उठाव नहीं किया तो राशन लेप्स हो जायेगा।

आज कर्मचारियों की मांगों को लेकर प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपेगा तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ 18 अगस्त को कर्मचारियो और शिक्षकों की विभिन्न मांगो को लेकर जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन करते हुए ज्ञापन सौपेगा। इस संबंध में तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के श्योपुर जिलाध्यक्ष यदुनंदन गुप्ता ने बताया कि तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के बैनर तले प्रदेश व्यापी कार्यक्रम के तहत 18 अगस्त को शाम 5:30 बजे कर्मचारियों और शिक्षकों की विभिन्न मांगो को लेकर कलेक्ट्रेट प्रदर्शन करते हुए सीएम के नाम ज्ञापन कलेक्टर श्योपुर को सौंपा जाएगा। इसके अलावा जिला स्तर पर लंबित मांगों के संबंध में अलग से भी कलेक्टर मैडम को ज्ञापन दिया जाएगा। उन्होने जिले के सभी कर्मचारियों सहित शिक्षकों से अधिक से अधिक संख्या में ज्ञापन सौपे जाने के दौरान उपस्थित रहने का आग्रह किया है।

शासकीय संस्थाओं व परिसंपत्तियों का निरीक्षण भी करेंगे अधिकारी

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान अंतर्गत टर्राकलां में जनसंवाद कार्यक्रम 21 को

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत श्योपुर जिले में 21 अगस्त शुक्रवार को जनसंवाद कार्यक्रम विकासखण्ड विजयपुर के ग्राम टर्राकलां में आयोजित होगा। इस दौरान अधिकारियों के दलो द्वारा कलस्टर में शामिल सभी ग्राम पंचायतों का भ्रमण कर शासकीय संस्थाओं, परिसंपत्तियों तथा विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की स्थिति का आंकलन किया जायेगा। कलेक्टर सुश्री शीला दाहिमा के निर्देशन में 21 अगस्त को टर्राकलां कलस्टर पर आयोजित होने वाले जनसंवाद कार्यक्रम में ग्राम पंचायत रघुनाथपुर, बरेली, हीरापुरा, नीमच, रिझेठा, सुमरेरा, टर्राखुर्द, बलावनी, दांतेटी, धनायचा, खैरोदाकलां, किन्नपुरा, मोरेका, सिरोनी, सुठारा एवं सुखवास शामिल रहेंगे। इस अभियान के दौरान क्षेत्र भ्रमण, निरीक्षण एवं जनसंवाद के माध्यम से आम लोगों की शिकायतों का निराकरण किया जायेगा तथा शासकीय योजनाओं की निगरानी के साथ ही कल्याणकारी योजनाओं में शेष पात्र लोगों को लाभ देने की कार्यवाही की जायेगी।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत लगने जा रहे शिविर- जनसंवाद कार्यक्रम में भ्रमण क्षेत्र की लंबित सीएम हेल्पलाइन एवं जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का शत प्रतिशत निराकरण किया जायेगा तथा लोक सेवा गारंटी के अधिनियम के अंतर्गत दर्ज भ्रमण क्षेत्र के लंबित प्रकरण भी निराकृत होंगे। इसके साथ ही अविवादित नामांतरण, सीमांकन एवं बटवारा के लंबित प्रकरण भी निराकृत किये जायेगे। ई-केवायसी शिविर व आयुष्मान कार्ड शिविर भी लगाए जाएं।

बीरपुर से ग्वालियर तक मेमू ट्रेन चलाने की तैयारी पूरी

आज से नए कलेवर में फिर से शुरू होगा 6 साल बाद ट्रेन का सुहाना सफर

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

अगर सब कुछ ठीक रहा और कोई राजनीतिक अड़ंगा नहीं लगा तो आज यानी मंगलवार को वीरपुर से ग्वालियर तक मेमू ट्रेन का सफर शुरू हो जाएगा। इसके साथ ही विगत 6 सालों से बंद पड़ा ट्रेन के सफर का आगाज भी जिले में हो जाएगा। हालांकि शुभारंभ की सौगात जिले के एक ही स्टेशन (वीरपुर) को मिल रही है लेकिन आगे ट्रेन का पहिया सफर करता हुआ श्योपुर तक पहुंचे इसके लिए तैयारी युद्ध स्तर पर की जा रही है।

नेरोगेज से ब्रॉडगेज परिवर्तन के मामले में जहां काम श्योपुर तक युद्ध स्तर पर और अंतिम चरण में चल रहा है वही इस ट्रैक पर श्योपुर जिले के स्टेशन वीरपुर से मेमू ट्रेन चलाने की तैयारियां भी कर ली गई है। बताया गया है कि वीरपुर तक ट्रेन के आने का शुभारंभ 18 अगस्त मंगलवार को कैलारस रेलवे स्टेशन समारोह के साथ किया जाएगा।कैलारस रेलवे स्टेशन पर रेलवे विभाग द्वारा आयोजित इस शुभारंभ समारोह में केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव, सीएम डॉ मोहन यादव, केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य माधवराव सिंधिया तथा मध्य प्रदेश विधानसभा नरेंद्र सिंह तोमर वर्चुअली शामिल होगे। वहीं क्षेत्रीय सांसद शिवमंगल सिंह तोमर तथा जौरा विधायक प्रवीण पाठक अतिथि के रूप में समारोह में शामिल होगे। समारोह शामिल अतिथि कैलारस स्टेशन से मैमू ट्रेन को हरीझंडी दिखाकर वीरपुर के लिए रवाना किया जाएगा।



सबलगढ़ में 8 माह से हो रहा इंतजार

मेमू ट्रेन चलाने की मांग सबसे अधिक सबलगढ़ से की जा रही थी। सबलगढ़ में मेमू ट्रेन चलाने के लिए टेक्नीशियनो ने हरी झंडी करीब 1 साल पहले ही दे दी थी और विभाग ने जनवरी माह में यहां से मेमू ट्रेन चलाने के लिए स्वीकृति भी प्रदान कर दी लेकिन कोहरे को कारण बताकर ससबलगढ़ से मेमू ट्रेन का संचालन रोक दिया गया और ऐसा रोका की अभी तक शुरू नहीं हो सका इस मामले में मुरैना जिले की गुटिए राजनीति रोड़ा बनने की बात बताई जा रहे थी। अब इस गुटिए राजनीति को शायद हाई कमान ने विराम दे दिया है। सूत्रों की माने तो विगत दिनों दिल्ली में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया सहित कई नेताओं की बैठक गुप्त रूप से प्रधानमंत्री के साथ होना बताई जा रही है और इस बैठक में ही शायद यह तय किया गया है कि अब ट्रेन सबलगढ़ के बजाय वीरपुर तक चलाई जाए। जिससे श्योपुर जिलावासियों को भी लाभ मिल सके।

मार्च 2027 में दौड़ सकती है ब्रॉड गेज पर ट्रेन

जिन कंपनियों को पटरी बिछाने और स्टेशन बनाने का टेंडर दिया गया है उन कंपनियों से मार्च 2027 में काम पूरा करने का अनुबंध किया हुआ है। हालांकि यह अनुबंध 2024 में था लेकिन समय अवधि बढ़ाते बढ़ाते 2 साल अधिक हो गए हैं अगर समय अवधि और नहीं बढ़ाई गई तो मार्च 2027 में इस ट्रैक पर ममू ट्रेन के बजाय ब्रॉड गेज दौड़ना शुरू हो जाएगी। और उसी के साथ श्योपुर जिला भी विकास की गति पकड़कर दौड़ने लगेगा। ज्ञातव्य हो की मेमू ट्रेन सिर्फ 200 किलोमीटर लंबाई पर चलाई जाती है जो विशेष परिस्थितियों के लिए होती है लेकिन ब्रॉड गेज राष्ट्रीय स्तर पर संचालित की जाती है श्योपुर से ग्वालियर तक ट्रैक बन जाने के बाद यहां मेमू ट्रेन नहीं बल्कि ब्रॉड गेज का संचालन होगा जो ग्वालियर से आगे भोपाल इंदौर और देश के अन्य स्टेशनों तक पहुंचेगी जिससे व्यापारी वर्ग को खास लाभ होगा। ज्ञात हो कि श्योपुर में अधिकतर सामान इंदौर और सूरत से आता है लेकिन रेल मार्ग नहीं होने से सामान ट्रक के माध्यम से मंगाना पढ़ता है जिससे अधिक पैसा खर्च होता है। लेकिन ट्रेन शुरू हो जाने से व्यापारियों को बहुत सुविधा होगी माल को बिल्टी के माध्यम से इंदौर भोपाल सूरत और अन्य स्टेशनो से बुक कराया जा सकेगा और श्योपुर स्टेशन पर उतार कर समय और पैसे की बचत की जा सकती है।

प्रभारी मंत्री से मिले नगर मंडल अध्यक्ष, सौंपा मांग पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ श्योपुर

श्योपुर दौरे पर आए जिले के प्रभारी मंत्री राकेश शुक्ला को भाजपा नगर अध्यक्ष संजय मंगल ने मुलाकात कर उन्हें विकास से जुडी दो मांगो को लेकर मांग पत्र सौंपा। नगर मंडल अध्यक्ष द्वारा सौपे गए मांगपत्र में जैदा कृषि उपज मंडी बायपास लिंक रोड की जर्जर हालत को सुधारे जाने की मांग की गई। नगर मंडल अध्यक्ष ने बताया कि करीब तीन किलोमीटर लंबी सड़क पर जगह-जगह गहरे गड्ढे होने तथा डामर की परत उखड़ने से किसानों और वाहन चालकों को परेशानी हो रही है। मंगल ने सड़क निर्माण की तकनीकी जांच, गुणवत्ता में लापरवाही पाए जाने पर दोषी ठेकेदार एवं जिम्मेदारों पर कार्रवाई तथा सड़क का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण पुनर्निर्माण कराने की मांग की। इसके साथही मंडल अध्यक्ष मंगल ने मांग पत्र में मछली एवं मीट कारोबार को वस्थित करने का मामला उठाते हुए ईदगाह रोड क्षेत्र में प्रस्तावित करीब 60 लाख के मछली मार्केट के साथ मीट की दुकानों एवं ठेलों के लिए भी निर्धारित स्थान पर सुव्यवस्थित मार्केट विकसित करने की मांग की गई।



विजयपुर एवं कराहल में जनसुनवाई प्रातः 11 बजे से

श्योपुर। कलेक्टर शीला दाहिमा द्वारा पूर्व में प्रत्येक मंगलवार को अनुभाग मुख्यालयों पर भी एसडीएम की अध्यक्षता में जनसुनवाई करने के निर्देश जारी किये गये है। इसी क्रम में मंगलवार 18 अगस्त को अनुभाग मुख्यालय कराहल एवं विजयपुर में प्रातः 11 बजे से दोपहर 01 बजे तक जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे। संबंधित एसडीएम की अध्यक्षता में आयोजित जनसुनवाई में उप खण्ड स्तर के सभी अधिकारी मौजूद रहेंगे तथा इस दौरान प्राप्त होने वाले आवेदनों का पंजीयन कर उनका यथोचित निराकरण किया जायेगा। ऐसे आवेदन जो अधिकारिता सीमा में नही है, उन्हें जिला स्तर पर आगामी दिवस में कार्यवाही के लिए प्रस्तुत किया जायेंगा। एसडीएम विजयपुर अभिषेक मिश्रा की अध्यक्षता में जनपद सभागार विजयपुर में तथा एसडीएम कराहल बीएस श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जनपद सभागार कराहल में मंगलवार को प्रातः 11 बजे से जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित होगा।

हर्षदास साहेब की श्रद्धांजलि सभा आज

श्योपुर। कबीर आश्रम श्योपुर के संचालक साधु हर्षदास साहेब के परिनिर्वाण दिवस पर श्रद्धांजलि सभा 18 अगस्त को कबीर आश्रम बड़ौदा रोड पर आयोजित की जाएगी। यह जानकारी कबीर आश्रम के अध्यक्ष प्रभाकर साहेब ने प्रेस नोट जारी कर दी। उन्होंने ने कबीर आश्रम से जुड़े कार्यकर्ताओं और सेवादारों से अनुरोध किया कि वह दोपहर 12:00 बजे आयोजित होने वाली इस श्रद्धांजलि सभा में पहुंचकर अपने और से श्रद्धा सुमन अर्पित करें।

बीपीसीएल ने भारतीय सेना के लिए पहली एक्सट्रीम वेदर ग्रेड डीजल रेक रवाना की

माइनस 42 डिग्री में भी नहीं जमेगा डीजल

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना



भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) ने भारतीय सेना की ऊंचाई वाले और बेहद ठंडे क्षेत्रों में होने वाली गतिविधियों के लिए विशेष रूप से तैयार एक्सट्रीम वेदर ग्रेड (एक्सडब्ल्यूजी) डीजल की पहली रेक बीना रिफाइनरी से रवाना की। यह बीपीसीएल के तकनीकी नवाचार और देश की सेवा के प्रति प्रतिबद्धता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। बीपीसीएल भारत सरकार की फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनी और महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है।

पहली एक्सडब्लूजी डीजल रेक को लेफ्टिनेंट जनरल मुकेश चड्ढा, एवीएसएम एसएम , वीएसएम , डीजीएसटी , आईएचक्यू ऑफ़ एमओडी (आर्मी) ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर बीपीसीएल के निदेशक (मार्केटिंग) शुभंकर सेन के साथ भारतीय सेना, भारतीय रेलवे और बीपीसीएल के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

एक्सडब्लूजी डीजल को बीपीसीएल ने देश में ही विकसित किया है। भारतीय सेना के सामने अत्यधिक ठंड और ऊंचाई वाले क्षेत्रों में सैन्य वाहनों के संचालन के दौरान आने वाली चुनौतियों को ध्यान में रखते हुए यह विशेष डीजल तैयार किया गया है। इसके विकास में बीपीसीएल के कॉरपोरेट रिसर्च एंड डेवलपमेंट सेंटर (सीआरडीसी) और बीना रिफाइनरी ने मिलकर काम किया।

इस विशेष डीजल की खासियत है कि यह बहुत कम तापमान में भी बेहतर प्रदर्शन करता है। इसमें बेहतर कोल्ड स्टार्ट, कम तापमान में आसानी से ईंधन प्रवाह, बेहतर वाहन संचालन, कम रखरखाव और कठिन मौसम में अधिक भरोसेमंद प्रदर्शन जैसी खूबियां हैं।

बीपीसीएल ने कहा कि एक्सडब्लूजी डीजल का विकास कंपनी की तकनीकी क्षमता, आत्मनिर्भरता और राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारतीय सेना के लिए ईंधन की भरोसेमंद आपूर्ति सुनिश्चित करने और सैन्य अभियानों की तैयारी एवं कार्यक्षमता को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध

बीपीसीएल के निदेशक (मार्केटिंग) शुभंकर सेन ने कहा कि एक्सट्रीम वेदर ग्रेड डीजल का सफल विकास और पहली रेक की रवानगी बीपीसीएल की शोध क्षमता, तकनीकी दक्षता और आत्मनिर्भर भारत के प्रति प्रतिबद्धता का बेहतरीन उदाहरण है। उन्होंने कहा कि बीपीसीएल देश की रणनीतिक जरूरतों के अनुरूप नए और उपयोगी ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बीपीसीएल बीना रिफाइनरी के कार्यकारी निदेशक केके दास ने कहा कि पहली एक्सडब्लूजी डीजल रेक की रवानी बीना रिफाइनरी के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि बीपीसीएल की शोध, रिफाइनिंग, मार्केटिंग और लॉजिस्टिक्स टीमों के बेहतर तालमेल और टीमवर्क का परिणाम है। उन्होंने विश्वास जताया कि बीना रिफाइनरी आगे भी देश की जरूरतों के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले विशेष ईंधन तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। बीपीसीएल के बिजनेस हेड (इंडस्ट्रियल एंड कमर्शियल सॉल्यूशंस) मनोज मेनन ने कहा कि कंपनी देश के रणनीतिक क्षेत्रों के लिए विशेष ऊर्जा समाधान उपलब्ध कराने पर लगातार काम कर रही है। भारतीय सशस्त्र बलों को बिना रुकावट और भरोसेमंद ईंधन उपलब्ध कराना बीपीसीएल की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। बीना रिफाइनरी से एक्सडब्लूजी डीजल की पहली रेक की रवानी से भारतीय सशस्त्र बलों के लिए भरोसेमंद ऊर्जा साझेदार के रूप में बीपीसीएल की भूमिका और मजबूत हुई है। साथ ही, यह उपलब्धि देश की रणनीतिक जरूरतों के अनुसार विशेष ईंधन तैयार करने में बीना रिफाइनरी की क्षमता को भी दर्शाती है।

भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) के बारे में



फॉर्च्यून ग्लोबल 500 कंपनी, भारत पेट्रोलियम, भारत की दूसरी सबसे बड़ी तेल विपणन कंपनी (ऑयल मार्केटिंग कंपनी) है और एक एकीकृत ऊर्जा कंपनी है, जो कच्चे तेल के रिफाइनिंग (शोधन) और पेट्रोलियम उत्पादों के विपणन में संलग्न है। यह कंपनी तेल और गैस उद्योग के अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम दोनों क्षेत्रों में सक्रिय है। भारत पेट्रोलियम को प्रतिष्ठित 'महानवरत्न (महान रत्न)' का दर्जा प्राप्त है, जिससे इसे अधिक परिचालनिक और वित्तीय स्वायत्तता प्राप्त हुई है।

भारत पेट्रोलियम की रिफाइनरी (शोधनगृह) मुंबई, कोच्चि और बीना में स्थित हैं, जिनकी कुल शोधन क्षमता लगभग 35.3 मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (MMTPA) है। इसके विपणन ढांचे में एक विस्तृत नेटवर्क शामिल है जिसमें इन्स्टॉलेशन, डिपो, फ्यूल स्टेशन, एविएशन सर्विस स्टेशन और एलपीजी वितरक शामिल हैं। इसकी वितरण नेटवर्क में शामिल हैं।

23,500+ फ्यूल स्टेशन 6,200+ एलपीजी वितरक 500+ ल्यूब्रिकेंट्स वितरक 80 POL भंडारण स्थल54 एलपीजी बॉटलिंग प्लांट 79 एविएशन सर्विस स्टेशन 5 ल्यूब्रिकेंट ब्लेंडिंग प्लांट 5 क्रॉस-कंट्री पाइपलाइंस भारत पेट्रोलियम अपनी रणनीति, निवेशों, पर्यावरणीय और सामाजिक लक्ष्यों को एकीकृत करके एक सतत (सस्टेनेबल) भविष्य की ओर अग्रसर है। कंपनी ने 6500+ फ्यूल स्टेशनों पर इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए हैं।

सतत समाधान (सस्टेनेबल सॉल्यूशंस) पर केंद्रित रहते हुए, कंपनी ने एक इकोसिस्टम विकसित करना शुरू किया है और 2040 तक स्कोप 1 और स्कोप 2 उत्सर्जन में नेट ज़ीरो एनर्जी कंपनी बनने का रोडमैप तैयार किया है। भारत पेट्रोलियम समुदायों के साथ साझेदारी करते हुए शिक्षा, जल संरक्षण, कौशल विकास, स्वास्थ्य, सामुदायिक विकास, क्षमता निर्माण और कर्मचारी स्वयंसेवा जैसे क्षेत्रों में कई पहलों का समर्थन करता है। एनरजाइजिंग लाइव्स को अपने मूल उद्देश्य के रूप में अपनाते हुए, भारत पेट्रोलियम का दृष्टिकोण है। प्रतिभा, नवाचार और प्रौद्योगिकी का उपयोग करते हुए एक प्रशंसित वैश्विक ऊर्जा कंपनी बनना।

हर घर तिरंगा महोत्सव के तहत निकाली गई तिरंगा रैली



हरिभूमि न्यूज ⏭ बीना

हर घर तिरंगा महोत्सव के अंतर्गत सोमवार को शासकीय कन्या महाविद्यालय में हर घर तिरंगा कार्यक्रम का समापन तिरंगा रैली निकालकर किया गया। कार्यक्रम प्रभारी सत्यम सिंह कुर्मी ने बताया कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जनभागीदारी समिति अध्यक्ष सोनाली राय ने तिरंगा रैली की अगुवाई करते हुए छात्राओं का उत्साहवर्धन किया। छात्राओं ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साह एवं देशभक्ति की भावना के साथ रैली में सहभागिता की। रैली के दौरान छात्राओं ने देशभक्ति से ओत-प्रोत नारों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं देशप्रेम का संदेश दिया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. रश्मि जैन ने कहा कि तिरंगा केवल हमारे देश की पहचान नहीं, बल्कि यह हमारे गौरव, एकता, स्वतंत्रता और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का प्रतीक है।

लोगों को अभियान से जोड़ने का संदेश दिया

उन्होंने छात्राओं से आह्वान किया कि वे अपने घरों में तिरंगा फहराकर हर घर तिरंगा अभियान को सफल बनाएं तथा राष्ट्र के प्रति अपने कर्तव्यों और जिम्मेदारियों को समझें। अध्यक्ष सोनाली राय ने कहा कि तिरंगा हमारी आन, बान और शान का प्रतीक है। प्रत्येक नागरिक को राष्ट्रध्वज का सम्मान करते हुए देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने में अपनी भूमिका निभानी चाहिए। उन्होंने छात्राओं से देशहित में सकारात्मक कार्य करने तथा अन्य लोगों को भी हर घर तिरंगा अभियान से जोड़ने का संदेश दिया। तिरंगा रैली में महाविद्यालय का शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टाफ उपस्थित रहा।

हत्याकांड के चार आरोपियों को उम्रकैद की सजा सुनाई

अशोकनगर। जिले के नईसराय कस्बे में 19 फरवरी 2025 को रमेश रजक की हुई हत्या के मामले में न्यायालय ने 4 आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा से दण्डित किया है तथा दो दो हजार रूपए का अर्थदंड लगाया गया है। अभिषेक रजक ने नईसराय थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि नईसराय बस स्टैंड के पास बिट्टू कुशवाह, विनोद कुशवाह, कमल कुशवाह और मुकेश कुशवाह आपस में झगड़ा कर रहे थे, तब अभिषेक के चाचा ने जब उन्हें समझाया तब चारों आरोपियों ने उनकी कुल्हाड़ी और लोहे के सरियों से हत्या कर दी थी। इस घटना में पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था। जिसके बाद न्यायालय द्वारा इन चारों आरोपियों को यह सजा सुनाई गई है। इस प्रकरण में लोक अभियोजक अविनाश लोधी, आशुतोष लोधी, थाना प्रभारी नईसरायं, आशुतोष गुप्ता और विवेचक पुनीत दीक्षित की भूमिका रही है।

शासकीय महाविद्यालय सहराई में स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास से मनाया

सेहराई। शासकीय महाविद्यालय सहराई में 15 अगस्त को 80वां स्वतंत्रता दिवस हर्षोल्लास, देशभक्ति और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ अतुल गुप्ता द्वारा ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जनपद सदस्य अम्बरीश बैश, विशिष्ट अतिथि सेवानिवृत शिक्षक देवीचरण उपाध्याय पूर्व सरपंच रणवीर सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अभय कुमार सिंघई वरिष्ठ समाजसेवी और जनभागीदारी समिति सदस्य ने की। कार्यक्रम की संयोजक वरिष्ठ प्रोफेसर एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ अंजू सिहारे रहीं। कार्यक्रम का संचालन रविन्द्र कुमार रितोरिया ने किया। राष्ट्रगान गाया गया और राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवकों ने व छात्र-छात्राओं ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। प्रधानमंत्री के लालकिले पर दिए गए भाषण का प्रसारण किया गया। महाविद्यालयीन अधिकारी कर्मचारी और अतिथि, विद्यार्थियों ने सामूहिक रूप से राष्ट्रगान और वंदे मातरम का गायन किया। मुख्य अतिथि अंबरीष बेस ने व्यवस्थाओं की खुलकर तारीफ की तथा देश की अखंडता को बनाए रखने आह्वान किया।

पत्रकारों के साथ बैठक में कहा शहर का विकास प्राथमिकता

नगरपालिका अध्यक्ष ने 4 वर्षों में शहर में हुए कार्यों की जानकारी दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



नगरपालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया ने शनिवार को अपनी परिषद के सफलतम चार वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पत्रकारों के साथ एक साझा बैठक आयोजित की। बैठक में उन्होंने कहा कि इस शहर के लिए जो भी परिषद से बना वह परिषद ने किया, इस कार्य में पूरी परिषद के पार्षदों का सहयोग प्रशंसनीय है। उन्होंने संवाद के दौरान उपस्थित पार्षदों से चाहा कि वह भी अपने अनुभव और हकीकत को सामने लाएं, जिसमें पार्षदों ने नगरपालिका अध्यक्ष के द्वारा किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की और इसे शहर हित में बताया।

नगर पालिका अध्यक्ष नीरज मनोरिया ने कहा कि समस्याएं बहुत हैं लेकिन सब समस्याओं का निराकरण कर पाना किसी के लिए भी संभव नहीं है। सीमित संसाधनों के बीच उन्होंने शहर को सजाने का सवारने का प्रयास किया है। यह शहर उनके सपनों का शहर है, जब वह राजनैतिक क्षेत्र में आए और तब से ही उनका सपना था कि वह शहर के लिए कुछ करें। लेकिन परिषद में विपक्ष की भूमिका सहयोग के स्थान नकारात्मक भूमिका के रूप में रही, जबकि शहर के विकास की जब बात आती है तब हमेशा पक्ष और विपक्ष को मिलकर साथ आना चाहिए, ताकि शहर की जनता को हमें चुनने और परिषद में बैठाने का लाभ मिल सके, लेकिन प्रतिपक्ष के नेता की भूमिका हमेशा विरोध करने तक सीमित रही, जबकि नगरपालिका द्वारा वार्ड 18 से जहां से वह चुने गए, वहां उनके वार्ड में सुविधाओं का ध्यान रखा गया, सड़क का निर्माण कराया गया।

दुकान मांगने का आरोप निराधार

कांग्रेस पार्षद रीतेश जैन ने जारी प्रेस नोट में कहा है कि नगर पालिका अध्यक्ष द्वारा लगाए गए चार दुकान मांगने का आरोप पूर्ण रूप से निराधार है। यह सिर्फ मेरे द्वारा लगाए गए आरोपों पर जनता के प्रति जवाबदेही से बचने का एक षड्यंत्र है और जनता को गुमराह का तरीका। मैंने प्रथम वर्ष से ही उनकी नाकामी को जनता में उजागर किया है। अगर ऐसी बात थी तो वो उस समय क्यों चुप रहे, मैंने तो हर विरोध जनहित में मुखर होकर किया है। उन दुकानों का विरोध इसीलिए किया क्योंकि स्कूल छुप जाता और वह जगह अपर्याप्त होने के साथ साथ नपा की भी नही थी और बाद में बात सिद्ध भी हो गयी थी और बात गुना रोड की करें तो कोई अतिक्रमण नही है।

अशोकनगर में स्वतंत्रता दिवस की 80वीं वर्षगांठ पर कलेक्टर ने ध्वजारोहण किया

सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ आकर्षक परेड का आयोजन हुआ

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



अशोकनगर में आयोजित 80वां स्वतंत्रता दिवस जिले में धूमधाम एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जिला मुख्यालय पर जिला स्तरीय स्वतंत्रता दिवस के मुख्य समारोह का आयोजन मोहरी राय खेल स्टेडियम नवीन कृषि उपज मंडी अशोकनगर में आयोजित किया गया। मुख्य समारोह राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम के गायन के साथ प्रारंभ हुआ। तत्पश्चात कलेक्टर साकेत मालवीय ने मुख्य अतिथि के रूप में ध्वजारोहण किया। ध्वजारोहण पश्चात राष्ट्रगान का गायन हुआ।



स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य अतिथि कलेक्टर साकेत मालवीय ने पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा के साथ खुली जिप्सी में सवार होकर परेड का निरीक्षण किया तथा सलामी ली। परेड की टुकडियों द्वारा राष्ट्रधुन के साथ हर्ष हायर किये गये। समारोह में परेड कमाण्डर अविनाश कुमार एवं टू आई सी सूबेदार आईना सहिबा के नेतृत्व में परेड की टुकड़ियों द्वारा भव्य एवं आकर्षक मार्च पास्ट किया गया।परेड की 12 टुकड़ियां एक-एक करके मंच के सामने से कदमताल करते हुए निकलीं। मार्चपास्ट में एसएएफ, जिला पुलिस बल पुरूष, जिला पुलिस बल महिला, होमगार्ड, नेहरू महाविद्यालय का एनसीसी दल,एनसीसी स्कूल का सीनियर दल,शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का गाईड दल,राव माधव स्कूल का स्काउट दल,महिला एवं बाल विकास विभाग का शौर्य दल, वर्धमान हायर सेकेण्डरी स्कूल का स्काउट दल एवं शासकीय उत्कृष्ट माध्यमिक विद्यालय का गाईड दल, वन विभाग तथा पुलिस बैंड का दल ने भाग लिया।

मुख्यमंत्री के संदेश का हुआ लाइव प्रसारण

समारोह में मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव के प्रदेश की जनता के नाम प्रसारित स्वतंत्रता दिवस संदेश का एलईडी के माध्यम से लाइव प्रसारण किया गया। जिसे उपस्थितजनों द्वारा देखा एवं सुना गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं एवं बधाई दी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि साकेत मालवीय द्वारा स्वतंत्रता दिवस 2026 जिला स्तरीय संदेश का वाचन किया गया। साथ ही आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश के साथ ही विकसित अशोकनगर जिले के संबंध में बधाई संदेश दिया। मुख्य अतिथि द्वारा परेड के सभी कमाण्डरों से परिचय प्राप्त किया गया। मुख्य अतिथि द्वारा रंग बिरंगे गुब्बारे खुले गगन में छोड़े गए।

लोकतंत्र सेनानी का किया सम्मान

जिला स्तरीय समारोह में मुख्य अतिथि कलेक्टर साकेत मालवीय द्वारा लोकतंत्र सेनानी कमल सिंह रघुवंशी का शॉल एवं श्रीफल भेंटकर सम्मान किया गया। लोकतंत्र सेनानी स्वर्गीय पूरनचन्द्र अग्रवाल के निवास पर पहुंचकर उनकी धर्मपत्नि का सम्मान किया गया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

मुख्य समारोह में 600 बच्चों ने अनुशासन एवं एकाग्रता को रेखांकित करते हुए सामूहिक पीटी के माध्यम से विभिन्न 16 मुद्राओं का प्रदर्शन किया। वहीं मुख्य समारोह में देश भक्ति की भावना से ओतप्रोत स्कूली बच्चों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। शासकीय सांदीपनि हायर सेकेण्डरी स्कूल के छात्र छात्राओं द्वारा ''अतुल्य पराक्रम शौर्य की गाथा'' पर आधारित नृत्य, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अशोकनगर द्वारा ''गौरवशाली भारत की समृद्ध गाथा'', ब्राईट मॉडल हायर सेकेण्डरी स्कूल के बच्चों द्वारा ''भारत के गौरव की कहानी'',संस्कार आकादमी अशोकनगर के छात्र-छात्राओं द्वारा''देश भक्ति गीत पर आधारित नृत्य नाटिका'' ,संस्कृति हायर सेकेण्डरी स्कूल के बच्चों द्वारा ''अमर शहीदों की कुर्बानी'' पर आधारित नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति दी गई।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले सम्मानित

समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने पर जिले के विभिन्न विभागों, पुलिस विभाग, खिलाड़ियों को प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। साथ ही अशोकनगर जिले की शान भारतीय सेना में कर्नल के पद पर पदस्थ हर्षित शर्मा को जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया।

उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर पुरस्कृत

मुख्य अतिथि द्वारा परेड में भाग लेने वाली टुकड़ियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर सीनियर ग्रुप में वर्दीधारी एसएएफ की टुकड़ी को प्रथम तथा जिला पुलिस बल को पुरूष को द्वितीय पुरूस्कार प्रदान किया गया। परेड में जूनियर ग्रुप में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के गाईड दल को प्रथम एवं राव माधव हायर स्कूल के स्काउट दल को द्वितीय पुरूस्कार प्रदान किया गया सांस्कृतिक कार्यक्रमों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर ब्राईट मॉडल हायर सेकंडरी स्कूल के दल को प्रथम, शासकीय सांदीपनि हायर सेकंडरी स्कूल अशोकनगर के दल तथा संस्कृति हायर सेकंडरी स्कूल के दल को संयुक्त रूप से द्वितीय पुरस्कार, शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के दल को तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया। सांत्वना पुरस्कार के रूप में संस्कार अकादमी अशोकनगर को प्रदान किया गया।

शोक रहित स्थान के रूप में अशोकनगर हमेशा विख्यात रहा है: निरंजन सागर

मुनिश्री के चार्तुमास कलश की स्थापना समारोहपूर्वक की गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ अशोकनगर



अशोकनगर से बहुत पुराना रिश्ता है। इस नगर में आकर संयमित जीवन की शुरुआत सन दो हज़ार सत्रह में की थी। आपकी श्रद्धा भक्ति देखते ही बनती है। गत वर्ष यहां ऐतिहासिक चातुर्मास संत निर्यापक श्रमण मुनि पुंगव श्रीसुधासागर महाराज का हुआ वैसा ही उत्साह यहां देखने को मिल रहा है। वैसे ही यह अशोकनगर है जहां शोक का कोई काम नहीं हैं। इस दौरान आचार्य श्री विद्यासागर महाराज के शिष्य मुनिश्री निरंजन सागर महाराज की प्रेरणा पात्र कारगिल में शहीद हुए लेफ्टिनेंट गौतम जैन के परिवार जन सुमित प्रकाश जैन एवं मुनि श्री निरंजन सागर महाराज के गृहस्थ जीवन के परिवार जनों का जैन समाज द्वारा शाल श्रीफल से सम्मान किया गया। इस दौरान सुमित प्रताप जैन ने कहा कि जनसेवा के साथ देश भक्ति भी हम सब के अंदर होना चाहिए। हम एक सपूत देश कि सीमाओ की रक्षा के लिए समर्पित करें। भगवान आदिनाथ स्वामी ने सबसे पहले असी का उपदेश दिया है हमें एक नहीं दो और तीन बच्चे पैदा करना है तव हम धर्म समाज और देश की रक्षा के लिए अपनी सन्तान को समर्पित कर सकेंगे। इस दौरान आचार्य श्री विद्यासागर महाराज की महा पूजन,संगीत के साथ मंत्री शैलेन्द्र श्रागर के भजनों के मध्य प्रस्तुत किया गया जिसका विभिन्न संगठनों द्वारा जल चन्दन अर्घ समर्पित कर आराधना की गई। इसके बाद चातुर्मास का प्रथम कलश नेमीचंद प्रवीण कुमार अनुनय ट्रेडर्स नेमीचंद आनंद कुमार मनोज कुमार नवीन कुमार ठेकेदार परिवार तृतीय कलश गौशाला कमेटी अध्यक्ष दिनेश मैदापुर शील चन्द्र मनोज कुमार रानू संजीव कुमार अथाईखैडा पवन जैन अवधेश जैन सोनू जैन इन्दौर सहित अन्य भक्तों द्वारा स्थापित किए गए।

शहर के प्रमुख मार्गों से मुनिश्री के सान्निध्य में निकाली तिरंगा यात्रा

इस दौरान मुनि श्री निरंजन सागर महाराज के सान्निध्य में श्री सुधा सागर मांगलिक जैन भवन से तिरंगा यात्रा निकाली गई, जो त्रिकाल चौबीस शान्ति नगर सुराना पार्क वजरिया मोहल्ला कम्पान इन्द्र पार्क नेहरू बाल उद्यान रोड़ गांधी पार्क भगवान महावीर मार्ग होते आचार्य श्री विद्यासागर दारा होते हुए सुभाष गंज मैदान पहुंची, जहां मुनि श्री के आशीर्वाद वचनों के साथ सभी ने राष्ट्रगान किया इस दौरान शान्ति मंत्रों का आव्हान किया गया।